वस्त्र और परिधान विज्ञान विभाग महोत्सव रिपोर्ट (फैब फेस्ट) 2023-24

Fabric and Apparel Science Department Festival Report (Fab Fest) 2023-24

विभाग उत्सव फैब फेस्ट का आयोजन 30 और 31 जनवरी, 2024 को किया गया इस कार्यक्रम में वार्ता, व्यावहारिक कार्यशालाएँ और एक शिल्प मेले का आयोजन किया गया। इस उत्सव का उद्देश्य वस्त्र और परिधान विज्ञान में नवीनतम रुझानों और तकनीकी प्रगति को प्रदर्शित करना और वस्त्रों की समृद्ध विरासत का जश्न मनाना और उससे प्रेरणा लेना था। छात्रों को उनके रचनात्मक, प्रबंधकीय और तकनीकी कौशल का प्रदर्शन करने के लिए एक मंच प्रदान किया गया। इस उत्सव में छात्रों, उद्योग पेशेवरों और शिक्षाविदों के बीच नेटवर्किंग और सहयोग की सुविधा प्रदान की गई। इस दौरान व्यावहारिक शिक्षा और कौशल वृद्धि के लिए व्यावहारिक कार्यशालाओं और इंटरैक्टिव सत्रों की भी पेशकश की गई। इसके अलावा, इस उत्सव के दौरान वस्त्र और परिधान उद्योग में सस्टेनेबल प्रथाओं के बारे में जागरूकता और सराहना को बढ़ावा दिया गया।

Department festival Fab Fest was organized on 30th and 31st January, 2024. The event featured talks, hands-on workshops, and a craft mela. The objective of this fest was to showcase the latest trends and technological advancements in Fabric and Apparel Science and to celebrate and draw inspiration from the rich heritage of textiles. A platform is provided to the students to demonstrate their creative, managerial, and technical skills. This fest facilitated networking and collaboration among students, industry professionals, and academics. This also offered hands-on workshops and interactive sessions for practical learning and skill enhancement. Moreover, during this fest awareness and appreciation of sustainable practices in the textile and apparel industry were promoted.

Workshops/Seminars/Lectures/Craft Mela Organized by the department

1. "**कल के लिए बुना: परंपराओं को बनाए रखना, हथकरघा और नैतिक वस्त्र ब्रांड बनाना**"

27 जनवरी, 2024 को "वुवन फॉर टुमॉरो: सस्टेनिंग ट्रेडिशन्स, हैंडलूम्स, एंड बिल्डिंग एथिकल क्लोथिंग ब्रांड्स" शीर्षक से एक ऑनलाइन चर्चा का आयोजन किया गया। रस्टिक ह्यू की संस्थापक सुश्री सुकृति प्रधान ने एक एथिकल ब्रांड बनाने की अपनी यात्रा से अंतर्दृष्टि साझा की। उन्होंने पारंपरिक हथकरघा तकनीकों के संरक्षण के महत्व, टिकाऊ फैशन को बढ़ावा देने में आने वाली चुनौतियों और एक सफल नैतिक वस्त्र ब्रांड बनाने के लिए अपनाई गई रणनीतियों पर चर्चा की। व्याख्यान ने व्यावसायिक प्रथाओं के साथ स्थिरता को एकीकृत करने पर मूल्यवान सबक प्रदान किया और उपस्थित लोगों को नैतिक फैशन आंदोलन में योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

1. **Talk on "Woven for Tomorrow: Sustaining Traditions, Handlooms and Building Ethical Clothing Brands"**

An online talk titled "Woven for Tomorrow: Sustaining Traditions, Handlooms, and Building Ethical Clothing Brands" was organized on January 27th, 2024. Ms. Sukriti Pradhan, Founder of Rustic Hue, shared insights from her journey of building an ethical brand. She discussed the importance of preserving traditional handloom techniques, the challenges faced in promoting sustainable fashion, and the strategies employed to create a successful ethical clothing brand. The talk provided valuable lessons on integrating sustainability with business practices and inspired attendees to contribute to the ethical fashion movement.

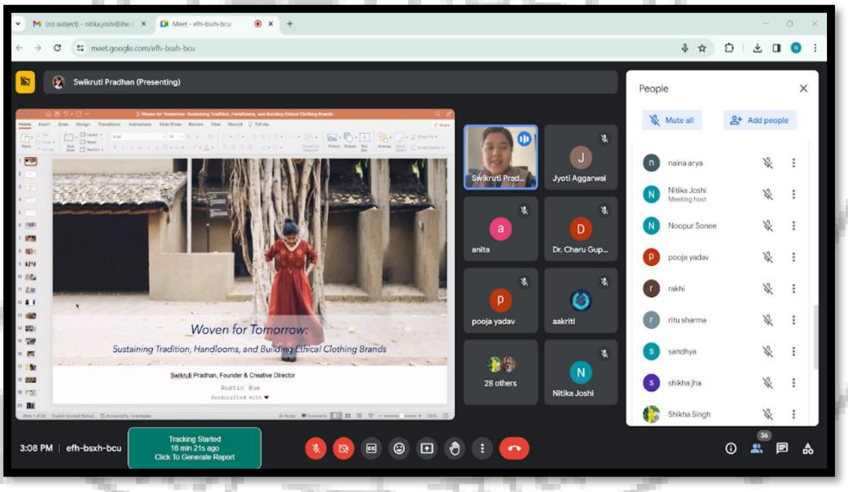

2. शिल्प मेला

हमारे विभाग उत्सव के दौरान, एक शिल्प मेला आयोजित किया गया था जहाँ विभिन्न कारीगरों ने अपने हस्तनिर्मित उत्पादों का प्रदर्शन किया। मेले में पारंपरिक वस्त्रों, हस्तनिर्मित आभूषणों और हथकरघा साड़ियों आदि सहित शिल्प की विविध श्रृंखला का प्रदर्शन किया गया। इस कार्यक्रम ने कारीगरों को अपने कौशल का प्रदर्शन करने और अपनी सांस्कृतिक विरासत को साझा करने के लिए एक मंच प्रदान किया। इसने छात्रों और आगंतुकों को अद्वितीय हस्तनिर्मित उत्पादों की सराहना करने और खरीदने, पारंपरिक शिल्प के साथ गहरा संबंध बढ़ाने और स्थानीय कारीगरों का समर्थन करने का अवसर भी प्रदान किया।

2. Mela

During our department fest, a craft mela was organized where various artisans exhibited their handmade products. The mela showcased a diverse range of crafts, including traditional textiles, handmade jewelry, and handloom sarees etc. This event provided a platform for artisans to demonstrate their skills and share their cultural heritage. It also offered students and visitors the opportunity to appreciate and purchase unique handmade products, fostering a deeper connection to traditional crafts and supporting local artisans.

3. वर्ड आर्ट/टाइपोग्राफी - एक फैशन संचार उपकरण

दिनांक 30 जनवरी 2024 को प्रातः 10:00 बजे कक्ष संख्या 06 में टाइपोग्राफी पर एक कार्यशाला का आयोजन एवं आयोजन किया गया। कार्यशाला में कुल 31 छात्रों ने भाग लिया, जिनमें बी.एससी. के दूसरे सेमेस्टर, गृह विज्ञान (ऑनर्स), बी.एससी. का छठा सेमेस्टर, गृह विज्ञान (ऑनर्स), और एम.एससी. पिछले वर्ष और अंतिम वर्ष के छात्र जैसे विभिन्न पाठ्यक्रम शामिल थे। फेविक्रिल सर्टिफाइड प्रोफेशनल श्रीमती वंदना गुप्ता ने इस कार्यशाला का संचालन किया, जो हमारे छात्रों के लिए सीखने का एक शानदार अनुभव था। कार्यशाला के दौरान, छात्र व्यावहारिक गतिविधियों में लगे रहे, जिससे उन्हें विभिन्न टाइपोग्राफ़िक शैलियों के साथ प्रयोग करने और संदेश, मनोदशाओं और कहानियों को व्यक्त करने में एक शक्तिशाली उपकरण के रूप में शब्द कला के महत्व को समझने का मौका मिला। कार्यशाला के दौरान, छात्रों ने विभिन्न शैलियों में फैशन और परिधान से संबंधित विभिन्न शब्द विकसित किए।

3. Workshop on Word Art/Typography- A Fashion Communication Tool

A workshop on typography was organized and held on 30th January 2024 in room no 06 at 10:00 am. A total of 31 students attended the workshop, including various courses such as the 2nd semester of B.Sc. Home Science (Hons), the 6th semester of B.Sc. Home Science (Hons), and the M.Sc. previous year and final year students. Mrs. Vandana Gupta, Fevicryl Certified Professional, conducted this workshop, which was a great learning experience for our students. Throughout the workshop, students engaged in hands- on activities, allowing them to experiment with various typographic styles and understand the significance of word art as a powerful tool in conveying the message, moods and stories. During the workshop, students developed various fashion and apparel related words in different styles.

4. वारली पेंटिंग पर कार्यशाला – पारंपरिक स्वरूप में रूपांकनों और लेआउट्स

31 जनवरी 2024 को सुबह 10:00 बजे कमरा नंबर 06 में वरली पेंटिंग पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में कुल 44 छात्रों ने भाग लिया, जिनमें बीएससी के छठे सेमेस्टर ,गृह विज्ञान (ऑनर्स), बी.एससी. का चौथा सेमेस्टर, गृह विज्ञान (ऑनर्स), और एम.एससी. अंतिम वर्ष के छात्र जैसे विभिन्न पाठ्यक्रम शामिल थे।. वारली पेंटिंग आदिवासी कला की एक शैली है जो ज्यादातर भारत के महाराष्ट्र में उत्तरी सह्याद्रि रेंज के आदिवासी लोगों द्वारा बनाई गई है। इस कार्यशाला में, छात्रों को बुनियादी ज्यामितीय आकृतियों: एक वृत्त, एक त्रिकोण और एक वर्ग का उपयोग करके वर्ली पेंटिंग में इस्तेमाल की जाने वाली तकनीक के बारे में सिखाया गया। ये आकृतियाँ प्रकृति के विभिन्न तत्वों का प्रतीक हैं। विद्यार्थियों ने इस गतिविधि का भरपूर आनंद उठाया।

4. Workshop on Warli Painting – Motifs and Layouts in Traditional Form

A workshop on Warli painting was organized and held on 31st January 2024 in room no 06 at 10:00 am. A total of 44 students attended the workshop, including various courses such as the 6th sem of B.Sc. Home Science (Hons), the 4th Sem of B.Sc. Home Science (Hons)and pass, and the M.Sc. Final year students.

Warli painting is a style of tribal art mostly created by the tribal people from the North Sahyadri Range in Maharashtra, India. In this workshop, students were taught about techniques used in Warli painting using basic geometric shapes: a circle, a triangle, and a square. These shapes are symbolic of different elements of nature. Students thoroughly enjoyed this activity.

5. प्राकृतिक रंगों का उपयोग करके उत्पाद विकास पर कार्यशाला

प्राकृतिक रंगों का उपयोग करके उत्पाद विकसित करने पर एक कार्यशाला और प्रतियोगिता 18 और 19 दिसंबर, 2023 को आयोजित की गई थी। मास्टर के छात्रों ने भाग लिया और फैब्रिक बेल्ट, कीचेन, टाई और डाई बंडाना आदि जैसे विभिन्न उत्पाद बनाए। इस कार्यशाला का उद्देश्य छात्रों की प्रतिभा को और प्राकृतिक रंगों के उपयोग की समझ और कौशल को बढ़ाना था। इसके अलावा उत्पाद विकास में रचनात्मकता और नवीनता को प्रोत्साहित करना और पर्यावरण-अनुकूल कपड़ा उत्पादों के उत्पादन में व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना है।

5. Workshop on Product Development Using Natural Dye

A workshop and competition on developing products using natural dyes was held on December 18th and 19th, 2023. Master's students participated and created various products such as fabric belts, keychains, tie & dye bandanas etc. The objective of this workshop was to enhance students' understanding and skills in using natural dyes. Also, to encourage creativity and innovation in product development and provide hands-on experience in producing eco-friendly textile products.

6. **बटन मसाला तकनीक का पालन करते हुए शून्य अपशिष्ट वस्त्र प्रतियोगिता का विकास**

तीन वस्त्र बटन मसाला तकनीक द्वारा एम.एससी. [एफएएस] प्रथम वर्ष के छात्रों द्वारा विकसित किए गए हैं। बटन, मोतियों, पत्थरों और रबर बैंड का उपयोग करके वस्त्र निर्माण की एक अभिनव और टिकाऊ विधि है। बटन लगाने और उनके चारों ओर रबर बैंड लूप करने से वस्त्र आसानी से इकट्ठे, मोड़े और लपेटे जा सकते हैं, जिससे विभिन्न डिज़ाइन और बनावट बनाई जा सकती हैं। यह सिलाई के बिना रचनात्मक और बहुमुखी वस्त्र डिजाइनों की अनुमति देता है। यह विधि कपड़े की बर्बादी को कम करके और धागे और ज़िपर जैसे अतिरिक्त सामग्रियों की आवश्यकता को समाप्त करके स्थिरता को बढ़ावा देती है।

6. **Development of zero waste garment competition following Button Masala Technique**

Three garments are developed via Button Masala technique by the M.Sc. [FAS] First year students. An innovative and sustainable method of garment construction using buttons, beads, stones, and rubber bands. Garments are created by placing buttons and looping rubber bands around them, fabrics can be easily gathered, pleated, and draped to form various designs and textures. It allows creative and versatile clothing designs without sewing. This method promotes sustainability by reducing fabric waste and eliminating the need for additional materials such as thread and zippers.